महाविद्यालय परिचय

'काशते प्रकाशते सर्वविधं ज्ञानं यस्यां सा काशी'

उत्तरवाहिनी गंगा के वक्ष से प्रवाहित अमृत की रसधार पान कर काशी, सभ्यता के उद्‌गम काल से ही विश्व को अपने धर्म, दर्शन, संस्कृति, साहित्य तथा आध्यात्मिक आलोक से आलोकित करती रही है। गौतमबुद्ध, शंकराचार्य, स्वामी रामानन्द, स्वामी वल्लभाचार्य, तैलंग स्वामी, डॉ.भगवानदास, पं. मदन मोहन मालवीय डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, प्रो.सी.एन.आर. राव, रायकृष्ण दास, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की कर्मस्थली काशी, चिरकाल से ज्ञान-पीठ रही है। इसकी ज्ञान-ज्योति ने सम्पूर्ण आर्यावर्त का मार्ग समय-समय पर प्रशस्त किया है। काशी के साहित्याकाश में प्रस्फुटित होकर हिन्दी साहित्य के नक्षत्रों कबीर, तुलसी, रैदास, भारतेन्दु, प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, रामचन्द्र शुक्ल, हरिऔध, नामवर सिंह, देवकी नन्दन खत्री, धूमिल, काशीनाथ सिंह, विद्यानिवास मिश्र, तेग अली, आगा हश्र कश्मीरी इत्यादि ने सर्वत्र ज्ञान का प्रकाश फैलाया।

ज्ञान की परम्परा के वर्तमान वाहक के रूप में श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज विगत उनचास वर्षों से नारी शिक्षा का अन्यतम् पर्याय बन चुका है। काशी की हृदयस्थली में बालिकाओं को शिक्षित करने के उद्देश्य से 'श्री काशी अग्रवाल समाज, वाराणसी' ने सन् 1973 में मात्र 12 छात्राओं, चार विषयों और छः कमरों से जिस ज्ञान-बीज का रोपण किया था, वह पुष्पित-पल्लवित होकर आज एक विशाल ज्ञान-वृक्ष के रूप में प्रतिष्ठित हो चुका है।

महाविद्यालय, कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के 8 विषयों, भाषा संकाय के दो विषयों, प्रदर्शन कला संकाय के तीन विषयों, विज्ञान संकाय के सात विषयों एवं वाणिज्य संकाय के स्नातक पाठ्यक्रमों तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग के पी.जी.डी. सी.ए. पाठ्यक्रमों में शिक्षा प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय समाजशास्त्र, हिन्दी साहित्य, मनोविज्ञान, प्राचीन इतिहास, राजनीति शास्त्र, गृह विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं वाणिज्य में स्नातकोत्तर के अध्ययन की सुविधा प्रदान करता है। श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज, वाराणसी को विज्ञान विषयों में स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान करने वाले पूर्वांचल के प्रथम महिला महाविद्यालय होने का गौरव भी प्राप्त है।

महाविद्यालय, आधुनिक शिक्षा तकनीकों से समृद्ध पुस्तकालय व वाचनालय, आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रयोगशालाओं, इण्टरनेट सुविधायुक्त (वाई-फाई) परिसर, स्मार्ट

क्लास, अपराजिता व वीरांगना सभागार एवं आधुनिक व्यायाम कक्ष (जिम्नेजियम), संग्रहालय एवं कला दीर्घा की सुविधाओं से सम्पन्न है।

महाविद्यालय, छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए सतत् प्रयत्नशील है। महाविद्यालय की सह-शैक्षणिक क्रियाएँ सदैव ही उच्च स्तरीय रही हैं। स्पोर्ट्स एंव रेंजर्स के क्षेत्र में तो हमने विजयपताका लहराई ही है, साथ ही महाविद्यालय में एन.सी.सी. की एक इकाई का पूर्ण रूप से मिल पाना निःसन्देह एक बड़ी उपलब्धि है। रेंजर्स, सामुदायिक सेवा केन्द्र, महाविद्यालय पत्रिका 'दीपशिखा', 'अग्रसेन टाइम्स', 'अग्रसेन विहान', संगोष्ठियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों इत्यादि के माध्यम से छात्राओं की सर्जनात्मक क्षमता के प्रस्फुटन एवं संवर्धन का निरन्तर प्रयास किया जाता है। महाविद्यालय की गरिमा में श्रीवृद्धि करते हुए प्रतिभावान छात्राओं ने राज्य, राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद, रेंजर्स तथा अन्तर्विश्वविद्यालय युवा महोत्सवों में अपनी प्रतिभाएँ प्रमाणित कर पुरस्कार प्राप्त किये हैं। विगत वर्षों में महाविद्यालय रेंजर्स टीम को विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए सर्वजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

ग्रामीण क्षेत्र में महिला शिक्षा के प्रसार हेतु शिवपुर बाईपास के समीप परमानन्दपुर में भी महाविद्यालय का परिसर स्थापित किया गया है। इस परिसर में कला मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, भाषा संकाय, प्रदर्शन कला संकाय तथा वाणिज्य संकाय की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाएँ संचालित हो रही हैं। उच्च शिक्षा के नये एवं अनछुए आयामों के अन्वेषण हेतु महाविद्यालय में विभिन्न विषयों में शोध कार्य सम्पादित किये जा रहे हैं।

महाविद्यालय की अन्यतम् उपलब्धियों में विभिन्न युग प्रवर्तकों तथा महिला अध्ययन पर शोध केन्द्रों की स्थापना की गयी है। ये केन्द्र न केवल संबन्धित क्षेत्रों में शोध के अवसर प्रदान कर रहे हैं वरन् छात्राओं को इन युग प्रवर्तक विचारकों की वैचारिकी से अवगत भी करा रहे हैं। इसके साथ ही साथ समस्त संकायों में आयोजित सेमिनार, कार्यशालाएँ, विचार गोष्ठियाँ, सम्मेलन, विशिष्ट व्याख्यान आदि अकादमिक स्तर पर बुद्धजीवियों-छात्राओं को एक मंच प्रदान कर रहे हैं और महाविद्यालय के शैक्षिक वातावरण को उत्तम-समृद्ध कर रहे हैं।

सत्र विनियमितीकरण एवं संवर्धित मूल्यांकन प्रणालियों के सफल प्रयोग तथा अन्य प्रस्तावित योजनाओं के माध्यम से महिला उच्च शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन कर प्रचलित शिक्षा पद्धति की सीमाओं को लाँघने का सतत् प्रयास जारी है। वर्ष 2001 में महाविद्यालय को स्वायत्तशासी स्तर प्राप्त हुआ तथा सन् 2005 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने महाविद्यालय के पठन-पाठन, परीक्षा संचालन, शिक्षणेत्तर गतिविधियों, शोध

तथा आधारभूत सुविधाओं की उत्कृष्टता के आधार पर महाविद्यालय को ''ए'' श्रेणी प्रदान की थी।

नैक मूल्यांकन के उपरान्त महाविद्यालय में आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है जो सम्पूर्ण महाविद्यालय की गुणवत्ता के उन्नयन हेतु सक्रिय है।

नारी स्वावलम्बन हेतु आर्थिक स्वतंत्रता का मूलमंत्र लेकर वर्तमान युग में आवश्यकताओं के अनुरुप रोजगार परक व तकनीकी पाठ्यक्रमों का समावेश किया जा रहा है।

महाविद्यालय इकाई के चारों स्तम्भ शिक्षक, शिक्षार्थी, प्रशासन एवं प्रबंधन एकजुट होकर महाविद्यालय में उच्च शैक्षिक अभिरुचि, शैक्षिक उन्नयन, उत्तम अनुशासन, सामाजिक सरोकार तथा पारस्परिक अन्तर्सम्बन्धों को दृढ़ करने में संलग्न हैं। वर्ष 2011 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा महाविद्यालय को CPE (कॉलेज विद पोटेंशियल फॉर एक्सीलेंस) का स्तर प्राप्त हो चुका है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु महाविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रमों को परिवर्धित कर सफलतापूर्वक सत्र 2021-22 से लागू कर दिया गया है तथा सत्र 2022-23 से स्नातकोत्तर विषयों के पाठ्यक्रम संवर्धन प्रक्रिया जारी है। हमारा स्वप्न है कि महिला शिक्षा के उच्चतम संस्थानों में से एक के रुप में हम अपनी विशिष्ट पहचान बनायें।

कुलगीत

यह अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज सरस्वती मन्दिर,
व्योम मुस्कुरा उठा किरण-पा, नई प्रभा का नया-नया स्वर।
है ध्येय अभ्युदय नारी का, संकल्प हमारा श्रेयस्कर,
जन मन का मन भावन पावन, विद्या का यह आलय मनहर।
नई प्रभा का नया-नया स्वर।।

कीर्ति धवल ऋषि अग्रसेन की, अभिनव यह आकाशदीप,
शिक्षा के अनुपम विकास के, शान्ति दूत जीवन्त प्रदीप।
आओ शुभ संकल्प करें हम, परहित रहें सतत् हो तत्पर,
आत्मज्ञान कर्मठता हो नित, माथे पर चमके श्रम सीकर,
नई प्रभा का नया-नया स्वर।।

सदियों-सदियों से काशी में, संस्कृति की बही धवल धारा,
अध्यात्म विधि कला विज्ञान, हम ही थे अनुपम ध्रुवतारा।
आज नये युग के हम प्रहरी हैं, मेधा-मुदिता-नम्रता-प्रवर,
वसुन्धरा का आँचल भर दें, लाकर सुगन्ध के सुमन मन्दिर।
नई प्रभा का नया-नया स्वर।।

निर्मल गंगा-सी है नारी, नवयुग की गीता, गायत्री,
मातृत्व विभूषित, दुर्गा-सी, शक्तिमती है जीवनधात्री।
नई प्रगति दें हम विकास को, दें नव प्रभात् को नई लहर,
मानवता के मानदण्ड, उदात्त विचारो के सहचर।
नई प्रभा का नया-नया स्वर।।

इतिहास हमारा साक्षी है, हम मानव शुचिता के हैं त्राता,
अपने पैरों पर हम चलते हैं, हम हैं अपने भाग्य विधाता।
नारी शिक्षा के दीप जलें, गली-गली में, हर आँगन-घर,
शिक्षा का नव निनाद गूँजे, हो ज्ञान-ज्योति चेतना मुखर।
नई प्रभा का नया-नया स्वर।।

एकता, समन्वय, समरसता, साहस विवेक का हो जीवन,
समता मूलक सुन्दर समाज, तुलसी सा मन, चंदन सा तन।
वन्देमातरम् स्वर गूँजे, स्वर्ग उतारें इस धरती पर,
जीवट के हर भारतवासी, है उन्नत ललाट ऊँचा सर।
नई प्रभा का नया-नया स्वर।।

देश-प्रेम का ज्वार न कम हो, स्वदेश का कीर्तिकेतु लहरे,
अज्ञान-कुहासा मिटे, बढ़े हम, सम्यक्-शिक्षा का ध्वज फहरे।
धीरज, सौरभ, स्वावलम्बन, हम जागरुक हों, नवनागर,
नई रागिनी, नव स्वर गूँजे, जागे वाणी, अक्षर-अक्षर।
नई प्रभा का नया-नया स्वर।।

– लोकनाथ श्रीवास्तव
हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि
आविर्भाव : 28 सितम्बर, 1919; तिरोधान : 2004, वाराणसी
प्रमुख रचनाएँ : स्फूलिंग, ज़िन्दगी तूफान माँगती है, राम का महाप्रयाण, बालगीत

महाविद्यालय के लक्ष्य एवं उद्देश्य

Vision

विद्या ददाति विनयं।

विद्या विनम्रता प्रदान करती है।

Knowledge generates humility.

- ❖ युवा महिलाओं को शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना, जिससे वे समाज में समानता और न्याय को बढ़ावा दे सकें तथा वंचित वर्गों को मुख्य धारा में शामिल करने में योगदान दे सकें।
- ❖ छात्राओं और संकाय सदस्यों में वैज्ञानिक और तार्किक चिन्तन विकसित करना, जिससे वे समाज और मानवता के कल्याण में अपनी भूमिका निभा सकें।
- ❖ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु आत्मविश्वास निर्माण और प्रेरणा को बढ़ावा देना।
- ❖ भविष्य केन्द्रित, मूल्य आधारित और सामाजिक रूप से आगरूक शिक्षा प्रणाली के माध्यम से छात्राओं को आदर्श नागरिक बनने के लिए तैयार करना।
- ❖ छात्राओं को अकादमिक चुनौतियों का आत्मविश्वास पूर्वक सामना करने और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान हेतु मौलिक दृष्टिकोण विकसित करने में सक्षम बनाना।
- ❖ छात्राओं को शैक्षणिक उत्कृष्टता और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना, जिससे वे समाज की सेवा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।
- ❖ समकालीन सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना।
- ❖ छात्राओं में वैश्विक प्रतिस्पर्धा, आशावाद और ऊर्जा की भावना विकसित करना।
- ❖ सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिकता और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना।

Mission

- ❖ छात्राओं को प्रासंगिक ज्ञान करना और उन्हें विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम बनाना।
- ❖ सह-पाठ्यक्रम, सांस्कृतिक, खेलकूद और आईसीटी आधारित शिक्षा के माध्यम से छात्राओं के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना।
- ❖ छात्र-केन्द्रित शिक्षण विधियों के माध्यम से उनके व्यावसायिक और तकनीकी कौशल को उन्नत करना।
- ❖ छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास एवं उसके माध्यम से सामाजिक समस्याओं, कुरीतियों तथा अंधविश्वासों का उन्मूलन।
- ❖ शिक्षण विधि में नवाचार, उन्नत शिक्षा प्रणाली, सतत् मूल्यांकन, छात्राओं की सघन सहभागिता तथा शोध द्वारा महिला शिक्षा में गुणात्मक स्तरोन्नयन।
- ❖ अनौपचारिक शिक्षा, प्रसार कार्यक्रमों तथा अध्ययन के दौरान जन सहभागिता कार्यक्रम चलाकर समाज के विकास में सक्रिय योगदान करना।
- ❖ संस्थान के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु समय-समय पर सभी आवश्यक कार्य सम्पादित करना।

❖❖❖

महाविद्यालय संकाय

(स्नातक स्तर पर विषय का चयन)

कला, मानविकी एवं समाजविज्ञान संकाय (स्नातक)

अर्हता : कला/विज्ञान/वाणिज्य/मानविकी वर्ग से इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

मुख्य विषय (मेजर) – कोई दो

विषय संयुक्ति : कला, मानविकी एवं समाजविज्ञान संकाय (प्रति विषय 6 क्रेडिट)

1	2	3	4	5	6	7
1. मनोविज्ञान 2. गायन	1.प्राचीन भारतीय इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति 2.सितार/तबला	1.राजनीतिशास्त्र 2. अर्थशास्त्र	1.समाजशास्त्र 2.गृहविज्ञान	1.शारीरिक शिक्षा 2. शिक्षाशास्त्र	1. हिन्दी	1. अंग्रेजी

- ❖ उपर्युक्त पुंजों में से किसी एक पुंज से मात्र एक ही विषय का चयन किया जा सकता है।
- ❖ किसी दो वर्गों से दो मुख्य विषय का चयन करें।
- ❖ मुख्य विषय जिस वर्ग से लिया गया है उसके अतिरिक्त अन्य वर्ग से गौण विषय का चयन किया जायेगा।

कौशल विकास पाठ्यक्रम (वोकेशनल) – कोई एक कौशल विकास पाठ्यक्रम (3 क्रेडिट) 5 कक्षा प्रति सप्ताह, मंगल–शनि
1. रचनात्मक कौशल के गांधीवादी आयाम 2. प्रयोजनमूलक एवं सर्जनात्मक हिन्दी 3. फंक्शनल इंगलिश 4. गाइडेंस एण्ड काउंसिलिंग 5. फूड प्रिजर्वेशन, कुकरी एवं बेकरी 6. कम्प्यूटर एप्लीकेशन इन ऑफिसेस 7. आपदा प्रबंधन 8. वाद्ययंत्र बजाने की तकनीक (तबला/सितार)

विषय संयुक्ति : विज्ञान संकाय (प्रति विषय 6 क्रेडिट)

1	2	3	4
1. रसायन विज्ञान 2. सांख्यिकी	1. भौतिक विज्ञान 2. जन्तु विज्ञान	1. गणित 2. वनस्पति विज्ञान	1.जैव प्रौद्योगिकी

- ❖ उपर्युक्त पुंजों में से किसी एक पुंज से मात्र एक ही विषय का चयन किया जा सकता है।
- ❖ किसी दो वर्गों से दो मुख्य विषय का चयन करें।
- ❖ मुख्य विषय जिस वर्ग से लिया गया है उसके अतिरिक्त अन्य वर्ग से गौण विषय का चयन किया जायेगा।

कौशल विकास पाठ्यक्रम (वोकेशनल) – कोई एक कौशल विकास पाठ्यक्रम (3 क्रेडिट) 5 कक्षा प्रति सप्ताह, मंगल–शनि
1. कम्प्यूटर एप्लीकेशन इन ऑफिसेस 2. आपदा प्रबंधन 3. गाइडेंस एण्ड काउंसिलिंग 4. फूड प्रिजर्वेशन, कुकरी एवं बेकरी

विषय संयुक्ति : वाणिज्य संकाय (प्रति विषय 6 क्रेडिट)

मुख्य विषय	गौण विषय (माइनर)
मुख्य प्रश्न–पत्र 1. व्यवसायिक संगठन 2. व्यवसायिक सांख्यिकी	1.व्यवसायिक सम्प्रेषण
कौशल विकास पाठ्यक्रम (वोकेशनल) – कोई एक कौशल विकास पाठ्यक्रम (3 क्रेडिट) 5 कक्षा प्रति सप्ताह, मंगल–शनि	
1. एण्टरप्रेनयोरशिप 2. कम्प्यूटर एप्लीकेशन इन ऑफिसेज 3. वाद्ययंत्र बजाने की तकनीक (तबला/सितार) (केवल बुलानाला परिसर)	

विवरणिका

सह–शैक्षणिक पाठ्यक्रम (को–कॅरिकुलर) – समस्त संकाय हेतु

सह–शैक्षणिक ऑनलाइन कक्षाएँ (2 क्रेडिट) 2 कक्षा प्रति सप्ताह, छः माह तक 30 व्याख्यान प्रति सेमेस्टर रविवार से सोमवार

प्रथम सेमेस्टर : प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
द्वितीय सेमेस्टर : मानव मूल्य एवं पर्यावरण अध्ययन
तृतीय सेमेस्टर : शारीरिक शिक्षा एवं योग
चतुर्थ सेमेस्टर :
(अ) भारतीय भाषा / स्थानीय भाषा
(ब) सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता

नोट : (केवल चतुर्थ सेमेस्टर के लिए) :

1. यदि छात्रा ने प्रारम्भ से अब तक हिन्दी भाषा का कोई अध्ययन नहीं किया है तो वह भारतीय भाषा / स्थानीय भाषा का चुनाव करेगी, किन्तु यदि छात्रा हिन्दी भाषा का अध्ययन अब तक कहीं कर चुकी है तो उसे यू.जी.सी. द्वारा निर्धारित सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता का चुनाव करना होगा।
2. अनिवार्य रूप से लागू माइलर (6 क्रेडिट) की कक्षा द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में मुख्य विषय की कक्षा के साथ होगी तथा उसका पाठ्यक्रम मुख्य विषय के पाठ्यक्रम के अनुरूप होगा तथा इसकी परीक्षा मुख्य विषय की परीक्षा के साथ सम्पन्न होगी।

स्नातकोत्तर (एम0ए0)

1. समाजशास्त्र : **अर्हता** : किसी भी संकाय में स्नाताक
2. हिन्दी : **अर्हता** : किसी भी संकाय में स्नाताक
3. मनोविज्ञान : **अर्हता** : मनोविज्ञान के साथ स्नाताक
4. गृहविज्ञान : **अर्हता** : गृहविज्ञान के साथ स्नाताक
5. प्राचीन भारतीय इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति : **अर्हता** : किसी भी संकाय में स्नाताक
6. राजनीतिशास्त्र : **अर्हता** : किसी भी संकाय में स्नाताक

स्नातकोत्तर (एम0एस–सी0)

1. वनस्पति विज्ञान
   अर्हता : वनस्पति विज्ञान विषय के साथ स्नाताक
2. जन्तु विज्ञान
   अर्हता : जन्तु विज्ञान विषय के साथ स्नाताक
3. रसायन विज्ञान
   अर्हता : रसायन विज्ञान विषय के साथ स्नाताक

स्नातकोत्तर (एम0कॉम0)

1. वाणिज्य
   अर्हता : वाणिज्य में स्नाताक

स्नातकोत्तर स्तर पर गौण (माइनर) विषय

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी
2. राष्ट्र निर्माण एवं भारत में राजनीतिक प्रक्रिया
3. फण्डामेंटल ऑफ ई–कॉमर्स

नोट : प्रत्येक छात्रा अपने विषय को छोड़कर उपरोक्त तीन गौण विषय में से किसी एक गौण विषय (माइनर) का चयन करेगी।

बी0वॉक0 में दो पाठ्यक्रम

1. बैंकिंग एण्ड फाइनेंस
2. इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी

अर्हता : कला, वाणिज्य तथा विज्ञान वर्ग में उत्तीर्ण

विवरणिका

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन (PGDCA)

अर्हता : किसी भी संकाय में स्नातक/स्नातक अंतिम वर्ष में अध्ययनरत।

पाठ्यक्रम व्यवस्था :

1. अभ्यर्थी को स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु सर्वप्रथम महाविद्यालय में उपलब्ध संकायों में से एक संकाय का चयन करना होगा।
2. विद्यार्थी को विज्ञान संकाय के विषय तभी दिये जायेंगे जब उसने इण्टरमीडिएट की परीक्षा सम्बन्धित विषय के साथ उत्तीर्ण की हो। सांख्यिकी के चयन हेतु इण्टरमीडिएट परीक्षा में गणित विषय के विज्ञान संवर्ग में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जैवप्रौद्योगिकी के चयन हेतु विज्ञान संवर्ग से इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
3. दो मुख्य विषयों के अतिरिक्त विद्यार्थी को एक गौण प्रश्न–पत्र का चयन करना होगा। विद्यार्थी को प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर एवं द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर में गौण (माइनर इलेक्टिव) प्रश्न–पत्र का अध्ययन करना होगा।
4. स्नातक में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम दो वर्षों के प्रत्येक सेमेस्टर में (प्रथम सेमेस्टर से चतुर्थ सेमेस्टर तक) एक कौशल विकास/व्यावसायिक पाठ्यक्रम का अध्ययन करना होगा।
5. कौशल विकास/व्यावसायिक पाठ्यक्रम का चयन विद्यार्थी द्वारा अपने संकाय में उपलब्ध कौशल विकास पाठ्यक्रमों में से ही करना होगा।
6. स्नातक स्तर के प्रत्येक विद्यार्थी को दो वर्षों (चार सेमेस्टर) के प्रत्येक सेमेस्टर में एक सह–शैक्षणिक पाठ्यक्रम का अध्ययन करना होगा।
7. सह–शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रश्न–पत्र द्वारा कराई जायेगी। उत्तीर्ण प्रतिशत वही होगा जो मुख्य एवं माइनर विषय का होगा एवं प्राप्त ग्रेड्स की गणना सीजीपीए में की जायेगी।

शोध कार्य (पी0एच–डी0) :

कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के समाजशास्त्र, हिन्दी, मनोविज्ञान, प्राचीन इतिहास, गृहविज्ञान, राजनीतिशास्त्र, शारीरिक शिक्षा एवं संगीत विभाग में शोधकार्य (पी0एच–डी0) सम्पादित किये जा रहे हैं। पी0एच–डी0 में प्रवेश महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है।

प्रो0 (मिथिलेश सिंह)
प्राचार्य

सहगामी क्रिया कलाप

रेंजर्स :

महाविद्यालय में रेंजर्स की दो इकाईयाँ- इन्दिरा टीम एवं निवेदिता टीम स्वीकृत हैं। महाविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की व्यवस्था के सुचारु सम्पादन के लिए रेंजर्स की छात्राओं की सेवा ली जाती है। प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाली छात्राएँ प्रदेश एवं देश के विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के चयन में भारांक प्राप्त करने की अधिकारी होती हैं। इच्छुक छात्राएँ महाविद्यालय की रेंजर्स अधिकारी से सम्पर्क कर प्रवेश प्राप्त कर सकती हैं।

नेशनल कैडेट कोर (NCC) :

महाविद्यालय में एन.सी.सी. की एक इकाई स्वीकृत है। इस इकाई में पंजीकृत एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त छात्राओं को आगामी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु भारांक प्रदान किए जाते हैं। इच्छुक छात्राएँ महाविद्यालय की एन.सी.सी. अधिकारी से सम्पर्क कर सकती हैं।

सांस्कृतिक केन्द्र :

महाविद्यालय का उद्देश्य शिक्षा के साथ-साथ छात्राओं का सर्वांगीण विकास है। इस निमित्त उनमें निहित प्रतिभाा के प्रस्फुटन एवं संवर्द्धन हेतु महाविद्यालय अनवरत् प्रयत्नशील रहता है। महाविद्यालय में इस हेतु सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना की गयी है। जिसके माध्यम से समय-समय पर विभिन्न कार्यशालाओं तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन होता रहता है, जिनमें नृत्य, गायन, वादन, नाटक, कला एवं हस्तशिल्प मुख्य हैं। प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय युवा महोत्सवों में प्रतिभाग करने वाली छात्राओं को विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रवेश में भारांक प्रदान किया जाता है। इच्छुक छात्राएँ सांस्कृतिक केन्द्र में सम्पर्क कर इसकी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकती हैं।

सामुदायिक सेवा केन्द्र :

महाविद्यालय का यह केन्द्र आस-पास के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक स्तरोन्नयन एवं जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम संचालित करता है। इस केन्द्र के माध्यम से छात्राओं में समाज के प्रति संवेदनशीलता तथा सेवाभाव विकसित करने का प्रयास किया जाता है।

संग्रहालय एवं कला दीर्घा :

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में 'संग्रहालय एवं कलादीर्घा' की स्थापना की गई है। संग्रहालय में पाषाण-काल से लेकर आधुनिक काल तक के पुरातत्व व इतिहास की विभिन्न गतिविधियों से

सम्बन्धित पुरावशेष, प्रतिकृति छाया चित्र आदि प्रदर्शित हैं। 'संग्रहालय एवं कलादीर्घा' से इतिहास एवं पुरातत्व की छात्राओं के साथ-साथ महाविद्यालय की समस्त छात्रायें एवं आगन्तुक अपने पुरा ज्ञान का संवर्द्धन कर रहे हैं।

अध्ययन केन्द्र :

महाविद्यालय में युग प्रवर्तकों के जीवन दर्शन एवं आदर्शों के अध्ययन तथा स्त्री विमर्श के अध्ययन हेतु गाँधी अध्ययन केन्द्र, बौद्ध अध्ययन केन्द्र, अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र, अरविन्द अध्ययन केन्द्र एवं महिला अध्ययन केन्द्र संचालित हैं, जिनकी विस्तृत जानकारी सम्बन्धित निदेशक/संकाय अध्यक्ष से प्राप्त की जा सकती है।

खेल-कूद :

महाविद्यालय में छात्राओं के लिए 'जिम्नेजियम' तथा विभिन्न खेलों का, कुशल प्रशिक्षक के निर्देशन में समुचित प्रबन्ध है। क्रीड़ा परिषद के तत्वावधान में महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में नियमित रूप से विभिन्न खेलों का आयोजन होता रहता है।

महाविद्यालय पत्रिका :

छात्राओं के सामाजिक एवं साहित्यिक चेतना में प्रचार-प्रसार तथा छात्राओं की सृजनात्मक प्रतिभा के प्रस्फुटन के लिए महाविद्यालय 'दीपशिखा' का प्रकाशन करता है। इच्छुक छात्राएँ साहित्य समिति से सम्पर्क कर इसकी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकती हैं।

अग्रसेन विहान :

महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों की सूचनाओं के व्यापक प्रसार हेतु 'अग्रसेन विहान' त्रैमासिक समाचार पत्रों का प्रकाशन किया जाता है।

स्पिकमैके (Spic Macay) :

(Society for Promotion of Indian Classical Music and Culture Among Youth)

छात्राओं में भारतीय शास्त्रीय संगीत तथा संस्कृति के प्रति रुचि और व्यापक अन्तर्दृष्टि विकसित करने तथा इनके प्रसार हेतु इसकी ईकाई महाविद्यालय में स्थापित है। महाविद्यालय परिवार की प्रत्येक छात्रा अनिवार्य रूप से इसकी सदस्य होगी। इस अध्याय के अन्तर्गत भारतीय संगीत, साहित्य, कला तथा संस्कृति के पुरोधाओं द्वारा छात्राओं को तत्सम्बन्धित कलाओं का मर्म ज्ञान कराया जाता है। समय-समय पर गोष्ठियाँ, आमंत्रित व्याख्यान, कार्यशालाएँ तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं को स्वसंस्कृति तथा ललित कलाओं के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास

किया जाता है।

पुरातन छात्रा परिषद

महाविद्यालय में ज्ञान व अपने अनुभवों को साझा करने एवं गुणवत्तापूर्ण विचारों एवं दृष्टिकोणों के आदान-प्रदान हेतु पुरातन छात्रा परिषद का गठन किया गया है। जो हमारी पूर्व-छात्राओं, प्रवक्ताओं एवं छात्राओं के मध्य सम्बन्ध स्थापित करने का एक अटूट माध्यम है।

राज्य छात्रवृत्ति :

प्रतिभा सम्पन्न तथा निर्धन छात्राएं राज्य छात्रवृत्ति हेतु आवेदन-पत्र सहित कार्यालय में सम्पर्क करें।

छात्रावास :

महाविद्यालय में संस्थागत छात्राओं हेतु आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित दो छात्रावास क्रमशः 'स्वयंसिद्धा' एवं 'अपूर्वा' निर्मित हैं। उक्त छात्रावासों में अन्तःवासी छात्राओं हेतु निम्न सुविधाएं उपलब्ध हैं :

1. छात्राओं के ज्ञानवर्द्धन एवं मनोरंजन हेतु समाचार-पत्र, पत्रिकाएं, टेलीविजन, इण्डोर-आउटडोर गेम्स आदि।
2. छात्राओं के उत्तम स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सन्तुलित आहार युक्त मेस व्यवस्था।
3. छात्राओं की प्राथमिक चिकित्सा हेतु डिस्पेन्सरी की व्यवस्था एवं आपात स्थिति में अस्पताल में भर्ती की व्यवस्था।
4. स्वच्छ, स्वास्थ्यवर्द्धक, प्रदूषण मुक्त एवं प्राकृतिक परिवेश से युक्त परिसर।
5. स्वच्छ एवं शीतल जल हेतु आर.ओ. युक्त वाटर कूलर की उपलब्धता।
6. अर्हनिश, अबाधित विद्युत आपूर्ति हेतु जनरेटर तथा सौर ऊर्जा पैनल की व्यवस्था।
7. नियमित व्यायाम हेतु आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित व्यायामशाला।
8. छात्राओं हेतु सेनेटरी पैड मशीन की व्यवस्था।
9. बुलानाला परिसर में अध्ययनरत अन्तःवासी छात्राओं के आवागमन हेतु बस की उपलब्धता।
10. समय-समय पर सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन।
11. छात्राओं के लिए वाशिंग मशीन की सुविधा।

बुक-बैंक :

पुस्तकालय द्वारा निर्धन छात्राओं को पूर्ण सत्र हेतु दो पुस्तकें बुक-बैंक द्वारा प्रदान की जाती हैं। बुक-बैंक सुविधा प्राप्त करने हेतु छात्राओं को अन्तिम परीक्षा में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। इच्छुक छात्राएँ पुस्तकालय समिति से सम्पर्क करें।

वाहन स्टैण्ड :

छात्राओं को सुविधा हेतु महाविद्यालय परिसर में

सशुल्क वाहन स्टैण्ड (केवल दोपहिया) की व्यवस्था है। जो छात्राएँ अपने वाहन से महाविद्यालय आती हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से अपना वाहन स्टैण्ड में ही जमा करना चाहिए, ताकि वाहन की सुरक्षा हो सके।

यातायात सुविधा :

महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर (शिवपुर बाईपास) में अध्ययनरत छात्राओं के आवागमन हेतु महाविद्यालय सशुल्क बस सुविधा उपलब्ध कराता है। इच्छुक छात्राएँ महाविद्यालय कार्यालय/प्रॉक्टर कार्यालय से सम्पर्क करें।

रीडिंग रूम :

महाविद्यालय के दोनों परिसरों में पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों के अध्ययन हेतु फोटो स्टेट मशीन कम्प्यूटर व इन्टरनेट सुविधायुक्त रीडिंग रूप उपलब्ध है। छात्राएं सम्बन्धित पुस्तकों के अंशों की छायाप्रति सशुल्क प्राप्त कर सकती हैं।

Wi-Fi की सुविधा :

महाविद्यालय के दोनों परिसर Wi-Fi की सुविधा से सुसज्जित हैं।

व्यायामशाला :

आधुनिक उपकरणों से लैस व्यायामशाला (जिम) प्रशिक्षित एवं सुयोग्य शिक्षक की देख-रेख में संचालित है।

पेयजल :

महाविद्यालय के दोनो परिसरों में स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु आर.ओ. युक्त वाटर कूलर मौजूद हैं।

रेनवाटर हार्वेस्टिंग :

वर्षा जल के संरक्षण हेतु रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली स्थापित की गयी हैं।

प्रेक्षागृह :

महाविद्यालय के दोनों परिसरों में शैक्षणिक एवं सहगामी क्रिया कलापों के प्रदर्शन हेतु आधुनिक सुविधा युक्त प्रेक्षागृह निर्मित है। बुलानाला परिसर में 'अपराजिता' 500 प्रेक्षकों की व्यवस्था से युक्त प्रेक्षागृह एवं परमानन्दपुर परिसर में लगभग 1000 प्रेक्षकों की व्यवस्था से युक्त 'वीरांगना' प्रेक्षागृह स्थित है।

चिकित्सा सुविधा :

महाविद्यालय के दोनों परिसरों में चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है।

सेनेटरी पैड मशीन :

महाविद्यालय के दोनों परिसरों में छात्राओं की सुविधा के लिये सेनेटरी पैड वेन्डिंग मशीन तथा सेनेटरी पैड डिस्ट्रवाइंग मशीन उपलब्ध है।

कैण्टीन :

महाविद्यालय के दोनों परिसरों में छात्राओं के लिए कैण्टीन की सुविधा उपलब्ध है। परमानन्दपुर परिसर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदत्त अनुदान से कैण्टीन भवन का निर्माण कराया गया है जिसमें लगभग 100 छात्राएँ एक साथ बैठकर जलपान कर सकती हैं। इसमें खान-पान की शुद्धता तथा छात्राओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाता है

करियर काउन्सलिंग प्रकोष्ठ :

महाविद्यालय की छात्राओं को रोजगारपरक जानकारी प्रदान करने तथा विभिन्न व्यवसायों के लिए स्वयं को तैयार करने हेतु मनोविज्ञान विभाग के अंतर्गत एक करियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ संचालित है जो विविध रूपों में छात्राओं को परामर्श प्रदान करता है।

दूरस्थ शिक्षा अध्ययन केन्द्र :

दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत महाविद्यालय में **इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र** परमानन्दपुर परिसर में एवं **राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र** बुलानाला परिसर में संचालित है।

स्थानन प्रकोष्ठ (Placement Cell)

छात्राओं को योग्यतानुसार नौकरी प्राप्त करने में सहायता हेतु महाविद्यालय द्वारा स्थानन प्रकोष्ठ की स्थापना की गयी है। यह प्रकोष्ठ समय-समय पर कैम्पस प्लेसमेंट की व्यवस्था करती है तथा नौकरियों के विषय में आवश्यक जानकारियाँ उपलब्ध कराती हैं।

उद्यमिता प्रकोष्ठ (Enterpreneurship Cell)

स्वउद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए महाविद्यालय में उद्यमिता प्रकोष्ठ संचालित हैं। यह प्रकोष्ठ छात्राओं को विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी प्रदान करती है तथा विशेषज्ञ व्याख्यानों तथा कार्यशाला आदि का आयोजन करती है।

ऑनलाइन परीक्षा केन्द्र

महाविद्यालय में 330 सीट की ऑनलाइन परीक्षा की व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की सरकारी परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है।

प्रबन्ध समिति

सत्र 2025-28

1.	श्री दीपक अग्रवाल 'लायन'	:	अध्यक्ष
2.	डॉ. मधु अग्रवाल	:	मंत्री/प्रबन्धक
3.	डॉ. रूबी साह	:	सहायक मंत्री
4.	श्री गौरव अग्रवाल 'सी.ए.'	:	अर्थमंत्री
5.	डॉ. रचना अग्रवाल	:	प्रधानमंत्री
6.	श्रीमती गरिमा टकसाली	:	मंत्री/प्रबंधक, श्री अग्रसेन कन्या इण्टर कालेज, वाराणसी
7.	श्री पंकज अग्रवाल (एल.आई.सी.)	:	मंत्री/प्रबंधक, श्री अग्रसेन महाजनी महाविद्यालय, वाराणसी
8.	श्रीमती अम्बिका अग्रवाल	:	सदस्य कार्यकारिणी
9.	श्रीमती शालिनी शाह	:	सदस्य कार्यकारिणी
10.	श्री मोहन अग्रवाल 'छत्तातले'	:	सदस्य कार्यकारिणी
11.	श्री अरविन्द जैन	:	सदस्य कार्यकारिणी
12.	श्री संदीप अग्रवाल 'नवरतन'	:	सदस्य कार्यकारिणी
13.	श्री अमित अग्रवाल 'बाबी'	:	सदस्य कार्यकारिणी
14.	श्री दीपक अग्रवाल 'शिवाला'	:	सदस्य कार्यकारिणी
15.	प्रो. मिथिलेश सिंह	:	प्राचार्य
16.	श्री अरविन्द सिकारिया	:	महाविद्यालय निरीक्षक
17.	श्री रवीश अग्रवाल	:	महाविद्यालय निरीक्षक
18.	डॉ0 नम्रता अग्रवाल	:	स्वास्थ्य निरीक्षक
19.	डॉ0 दिव्या अग्रवाल	:	स्वास्थ्य निरीक्षक
20.	श्री नारायण अग्रवाल 'सी.ए.'	:	आय-व्यय निरीक्षक

शुल्क संरचना

सत्र 2025-26 में नव प्रवेशी छात्राओं हेतु

स्नातक पाठ्यक्रम (UG Courses)

पाठ्यक्रम	शुल्क (INR)
बी.ए. I (Non Practical)	₹ 4,434.00
बी.ए. I (With One Practical)	₹ 4,689.00
बी.ए. I (With Two Practicals)	₹ 4,944.00
बी.ए. I (With Two Practicals & One Practical as Minor)	₹ 5,199.00
बी.ए. I (Non Practical English/Economics)	₹ 5,164.00
बी.ए. I (Non Practical English & Economics)	₹ 5,894.00
बी.ए. I (One Practical English/Economics)	₹ 5,419.00
बी.ए. I (Two Practical English/Economics)	₹ 5,674.00
बी.ए. I (One Practical English & Economics)	₹ 6,149.00
बी.एससी. I (With One Practical)	₹ 19,700.00
बी.एससी. I (With Two Practicals)	₹ 21,000.00
बी.एससी. I (With One Practical & Biotech as Minor)	₹ 20,700.00
बी.एससी. I (With Two Practicals & Biotech as Minor)	₹ 22,000.00
बी.एससी. I (With Biotech as Major)	₹ 22,800.00
बी.कॉम I	₹ 16,600.00
बी.वोक. (Vocational Course)	₹ 25,300.00

परास्नातक पाठ्यक्रम (PG Courses)

पाठ्यक्रम	शुल्क (INR)
एम.कॉम I	₹ 23,300.00
एम.एससी. I (Botany / Zoology / Chemistry)	₹ 25,300.00
एम.ए. I (Hindi / Sociology)	₹ 4,053.00
एम.ए. I (Psychology)	₹ 13,700.00
एम.ए. I (Ancient History / Political Science)	₹ 12,300.00
एम.ए. I (Home Science)	₹ 19,700.00
पी.जी.डी.सी.ए.	₹ 7,800.00

1. समस्त छात्राओं को परीक्षा शुल्क अलग से सितम्बर से अक्टूबर द्वितीय सप्ताह के मध्य देय होगा।
2. पंजीकरण शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।
3. स्नातक (UG) एवं स्नातकोत्तर (PG) की किसी भी कक्षा में जमा किया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा।

सत्रीय कैलेण्डर 2025-26

1.	प्रवेश परीक्षा आवेदन–पत्र (ऑनलाइन) तिथि (बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम.)	:	12 अप्रैल 2025 से प्रारम्भ
2.	सीधा प्रवेश लेने हेतु सूची निर्गत होने की तिथि (बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम.)	:	02 जून 2025
3.	काउंसिलिंग एवं प्रवेश प्रारम्भ होने की तिथि (स्नातक स्तर)	:	02 जून 2025 से प्रारम्भ
4.	प्रवेश लेने की अन्तिम तिथि (स्नातक स्तर)	:	25 जुलाई 2025
5.	स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश आवेदन–पत्र (ऑनलाइन) की तिथि	:	30 अप्रैल 2025 से प्रारम्भ
6.	सूची निर्गत होने की तिथि (स्नातकोत्तर स्तर)	:	1 जुलाई 2025
7.	काउसिंलिंग एवं प्रवेश प्रारम्भ होने की तिथि (स्नात्तकोत्तर स्तर)	:	1 जुलाई 2025 से प्रारम्भ
8.	प्रवेश लेने की अन्तिम तिथि (स्नात्तकोत्तर स्तर) (प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर)	:	16 अगस्त 2025
9.	बी0ए0/बी0एस–सी0/बी0कॉम0 (IIIrd & Vth) सेमेस्टर प्रवेश लेने की तिथि	:	1 जुलाई से 25 जुलाई 2025

नोट–

स्नातक स्तर पर 26 जुलाई 2025 से 25 सितम्बर के बीच बिलम्ब शुल्क के साथ प्रवेश लिए जा सकता है एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 17 अगस्त 2025 से 25 सितम्बर के बीच बिलम्ब से 30 सितम्बर के बीच विलम्ब शुल्क के साथ प्रवेश लिया जा सकता है।

अध्यापन कार्य प्रारम्भ होने की तिथि :

1.	बी0ए0/बी0एस–सी0/बी0कॉम प्रथम सेमेस्टर	:	26 जुलाई 2025
2.	बी0ए0/बी0एस–सी0/बी0कॉम तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर	:	16 जुलाई 2025
3.	बी0ए0/बी0एस–सी0/बी0कॉम द्वितीय/चतुर्थ/षष्ठ सेमेस्टर	:	05 जनवरी 2026
4.	स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर	:	17 अगस्त 2025
5.	स्नातकोत्तर द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर	:	16 जुलाई 2025
6.	स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर	:	06 जनवरी 2025

परीक्षा आवेदन-पत्र भरने की तिथि :

1.	बी0ए0/बी0एस–सी0/बी0कॉम0 समस्त सेमेस्टर (मुख्य परीक्षा) (बैंक/श्रेणी सुधार परीक्षा एवं छूटी हुई प्रायोगिक परीक्षा)	:	15.10.2025 से 27.10.2025 (ऑनलाइन)
2.	स्नातकोत्तर समस्त सेमेस्टर (मुख्य परीक्षा) (बैंक/श्रेणी सुधार परीक्षा एवं छूटी हुई प्रायोगिक परीक्षा)	:	15.10.2025 से 27.10.2025 (ऑनलाइन)

परीक्षा प्रारम्भ होने की तिथि :

1.	स्नातक प्रथम/तृतीय/पंचम सेमेस्टर	:	15 नवम्बर 2025 से
2.	स्नातकोत्तर प्रथम/तृतीय सेमेस्टर	:	30 नवम्बर 2025 से
3.	स्नातक द्वितीय/चतुर्थ/षष्ठ सेमेस्टर	:	15 अप्रैल 2026 से
4.	स्नातकोत्तर द्वितीय/चतुर्थ सेमेस्टर	:	30 अप्रैल 2025 से

प्रो0 (मिथिलेश सिंह)
प्राचार्य